7.7.17

आदेश के टीप

प्रकरण की लोट नाम्य शंकावक पर पेश। आवेदक/अनावेदी क्र. 01 - लक्ष्मण उपस्थित व.न.ल. नैम्प माना अनुसार तहसीलदार से प्रतिवेदन बुलवाया मंगाया गया।

तहसीलदार से प्राप्त प्रतिवेदन शामिल किया जाता है। जिसे किस्तवार अनुसार वारिसान के अलावा • अन्य ग्राम अंदर अखबार इश्तहार ~~के~~ जारी है।

ग्राम बिलियाखेड़ा।

(1) श्री लक्ष्मण, जमना, डालू पिता देवा भील सा देह
आ.न. 933 रकबा 00.10

(2) मादी, अंदल पुत्री देवीलाल, श्यामीबाई पत्नी देवीलाल भील सा देह
आ.न. 933/3 रकबा 00.021०

हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

श्री भूरा पिता भोला भील देह खातेदार
आ.नं. 933/6 रकबा 00.02.10

श्री मोहन पिता भोला भील सा. देह फौत होने से वारिसान का नाम अंकित करे।
वारिसान - छगनलाल, छीतर, नानी, नारू, धन्नी, नौजाबी, श्याम, रतनी, पुत्रीया पिता मोहन सजनी W/o मोहन भील

आ.नं.	रकबा
933/2	00.01.00
933/4	00.01.10
2	00.02.10

श्री भेरु पिता भोला भील सा. देह

933/1	00.01.00
933/5	00.01.10
2	00.02.10

खसरों पारिवारिक अपना अपना वहन करे।

निर्णय आज दिनांक 7.7.2017 को लोक अदालत खुले ओपनकोर्ट पर सुनाया गया।

पत्रावली बाद तामील दाखिल रिकार्ड हो।

उपखण्ड अधिकारी
पदेन सहायक कलक्टर हमीरगढ़

उनवान

1. श्री मोहन पिता भोला जाति भील इस. बिलियाकला अधिकार के वादी

बनाम

1- श्रीमति लादी पुत्री देवीलाल भील बिलियाकला

2 श्री उदय पुत्री ——— " ———

3. छगामी पुत्री ——— " ———

4. भूरा पिता भोला ——— " ———

5 भेरु ——— " ———

6 लक्ष्मण पिता ——— " ———

7 जमना पिता देवा वारसान गमडी शंकर, भील

8 डाल पिता देवा भील

9 श्रीमती जमनी पत्नी शंकर भील मु० बिलियाकला

10 तहसीलदार हमीरगढ

प्रतिवादीगण

दावा बाबत– 53-54 व 188 रा. का. अधि

मुकदमा नम्बर :– 25/15

निर्णय दिनांक :– 7.7.17

वादी की ओर से ...... — ...... की व प्रतिवादी की ओर से ...4 3...... उपस्थिति में इस वाद में आज तारीख ...7.7.17...को (नाम पीठासीन अधिकारी **श्रीमती रेणु मीना**) के समक्ष अन्तिम निपटारे के लिए पेश होने पर, आदेश किया जाता है और डिक्री दी जाती है कि:–

तहसीलदार निचे किरवत अनुसार खाते दारो के अलग अलग नाम राजस्व रेकार्ड में अंकन करे।

ग्राम बिलियाकला

(1) लक्ष्मण, जमना, डालु पिता देवा भील
आ.न 933 रकबा 00.10

(2) लादी, उदय पुत्री देवीलाल, छगामी प/ देवीलाल भील देह
आ.न 933/3 रकबा 00.02.10

(3) श्री भूरा पिता भोला भील
आ.न 933/6 रकबा 00.02.10

(4) श्री मोहन पिता भोला, भील सा. देह फौत वारसान हो, नाम अंकित करे: दुर्गालाल, दुर्गा, जमनी, तीरु, धन्नी, दुलारी, श्याम, रतनी, गणिया, पिता मोहन, संजनी पत्नी मोहन भील

आ.न	रकबा
933/2	00.01.00
933/4	00.01.10
2	00.02.10

(5) श्री भेरु पिता भोला भील सा. देह

933/1	00.01.00
933/5	00.01.10
2	00.02.10

खर्चा फरीकेन अपना–अपना वहन करेंगें।

यह आज तारीख 7.7.17 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।

उपखण्ड अधिकारी एव

उपखण्ड अधिकारी

हमीरगढ